

# नकली देसी घी बनाने वाली फैक्ट्री का पर्दाफाश

DESK CRIME February 11, 2019- 11:56 PM

- एसटीएफ ने कानपुर से तीन को दबोचा, दो भाग निकले
- 50 लाख कीमत की भारी मात्रा नकली खाद्य सामग्री बरामद

लखनऊ। एसटीएफ ने नकली देशी घी व तेल बनाने वाली फैक्ट्री का पर्दाफाश कर कानपुर से तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। आरोपितों के कब्जे से 183 गत्ता विभिन्न साइज के तैयार मिलावटी घी, 63 टिन कच्चा रसायन, 295 टिन मेज आयल, 79 टिन सोयाबीन आयल, घी पैकिंग मशीन, तराजू समेत मिलावटी घी व तेल बनाने की सामग्री बरामद की है। जिसकी बाजार में 50 लाख से अधिक कीमत बतायी जा रही है।

एसटीएफ के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अभिषेक सिंह ने बताया कि एसटीएफ को काफी समय से कानपुर में नकली देशी घी और तिल का तेल बनाने के गिरोह की सूचना मिल रही थी। इस संबंध में एसटीएफ की टीम को लगाया गया था। इसी दौरान सूचना मिली कि नकली घी और तेल तैयार कर विभिन्न जिलों में सप्लाई भी की जा रही है। एसटीएफ ने बताया कि छापेमारी के सम्बन्ध में वाणिज्य कर विभाग व खाद्य सुरक्षा विभाग के अधिकारियों को सूचित कर कानपुर के गोविन्द नगर स्थित संगम फूड प्राइवेट फैक्ट्री पर छापेमारी की गई। मौके से तीन लोगों को गिरफ्तार जबकि दो लोग भाग निकले। पकड़े पूछताछ में आरोपितों ने अपना नाम सूरज मेहता निवासी शिवा अपार्टमेंट, सर्वोदय नगर थाना काकादेव, जनपद कानपुर नगर (मालिक), सुरेश मिश्रा निवासी थाना नौबस्ता कानपुर (गेटकीपर) व अरविन्द सिंह निवासी महलरपुर थाना नगला खंगर जनपद इटावा (सुपरवाइजर) बताया है। जबकि प्रथम मालिक संजय डावरानी निवासी कानपुर व अभिषेक कपूर लेखा एकाउन्टेन्ट मौके से भाग निकले। आरोपितों के खिलाफ विधिक कार्रवाई कर फरार साथियों की तलाश की जा रही है।

पूछताछ में आरोपियों ने खोले कई राज

गिरफ्तार आरोपितों ने बताया कि हम लोग 30 लीटर आरपीओ में 10 बूंद, अपमिश्रित केमिकल मिलाकर 30 किलो नकली घी बनाते हैं तथा 220 लीटर सोयाबीन आयल में एक लीटर अपमिश्रक केमिकल मिलाकर 220 लीटर तिल का तेल बनाते हैं, जिनको अलग-अलग ब्राण्ड के डिब्बों में पैक कर बाजार में बेचा जाता है। घी बनाने वाला आपीओ 70 रुपये प्रति लीटर आता है, जिसे 260-270 के बीच बेचा जाता है। कार्न आयल का तेल 80 रुपये प्रति लीटर के हिसाब से आता है, जिसमें मिलावट करने के उपरान्त यह तिल के तेल के रूप में 172 रुपये प्रतिलीटर बिकता है।

Source: <https://tarunmitra.in/archives/138349>